विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, गुरूवार 17 से 23 अक्तूबर 2023 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 17 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

ख़ुशियों के कुछ टिप्स

हम जीवन में स्वयं के लिए जिस सम्मान की चाहत रखते हैं, वही सम्मान जब दूसरों को देना शुरू कर दें तो कभी सम्मान की इच्छा ही नहीं होगी. सम्मान और प्रेम यह देने से ही बढ़ता है. इसलिए सभी को सम्मान देने वाले को कभी जीवन में अपमानित होने की नौबत नहीं आती है.

पेज नंबर 2

ज़ानलेवा बनते जा रहे हैं प्रेम व अपनेपन वाले रिश्ते

पेज नं.2

हजारों ने दी अभिषेक पंजापी को जन्मदिन की शुभकामनाएं

पेज नं.3

भक्तिधाम मंदिर में जारी है 37 साल से मानवता की सेवा, महाप्रसाद में उमड़ते हैं गरीब

पेज नं. 8

बगावत के डर ने रोक दी दोनों ही महागठबंधनों की सूची, भारी परिवर्तन के आसार.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

जिले की राजनीति है संभ्रमवाली

अमरावती,बडनेरा के साथ मेलघाट में बदलाव की लोगों में चर्चा

नौटंकी की राजनीति अब बंद करने के लिए लोगों का मानस

कई मामले में अलग होगा यह विधानसभा का चुनाव

विदर्भ स्वाभिमान,16 अक्तूबर

मुंबई/अमरावती-राज्य में लोकसभा में चुनाव के बाद पूरे देश में महाराष्ट्र के आसन्न विधानसभा चुनाव की क्या स्थिति होगी, इस पर चर्चा शुरू हो गई है. इस बार के चुनाव में अमरावती जिले की आठ सीटों पर कई सीटों पर बदलाव की चर्चा लोगों में है. अमरावती, बडनेरा, दर्यापुर के साथ ही तिवसा सहित अन्य सीटों पर इस बार संघर्ष वाली स्थिति रहने की संभावना जताई जा रही है. अमरावती की सीट से चमत्कारिक नतीजे की जहां संभावना है, वहीं बडनेरा में भी बदलाव की बयार दिखाई दे रहा है. यहां से की जाने वाली रणनीति ही विजेता तय करेगी. जो साथ हैं, वह नहीं हैं और जो साथ नहीं हैं, उनसे मदद की अपेक्षा नहीं की जा सकती है. ऐसे में यह फार्मूला लोगों को कितना प्रभावित करता है, यह समय ही बताएगा. वैसे भी लोकसभा चुनाव में जिस तरह का प्रदर्शन रहा है, वह समझते हुए अगर तैयारी की जाती तो स्थिति पक्ष में हो सकती थी. लेकिन आज के समय में लोग नौटंकी राजनीति से त्रस्त हो गए हैं. बडनेरा में महायुति द्वारा भले ही रवि राणा को समर्थन दिय गया है लेकिन यहां भाजपा के असंतुष्टों द्वारा क्या गेम खेला जाएगा, इसका भरोसा किसी को नहीं है.इधर गठबंधन में बगावत के आसार के चलते कौन किसके साथ रहेगा, इसका कोई भरोसा ही नहीं है. महागठबंधन के प्रत्याशियों की सूची बगावत के डर से रूकी हुई है. अमरावती का नतीजा चौकाने वाला है.

अंबापेठ की इमारत होगी पांच मंजिला

सांसद डॉ.बोंडे ने दी निधि, भूमिपूजन भी हुआ

विदर्भ स्वाभिमान,16 अक्तूबर

अंबापेठ क्लब भारतीय संस्कृति की विरासत को संजोने वाली संस्था है. इसकी सभी मदद की जाएगी. इस आशय का प्रतिपादन राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल बोंडे ने किया. अमरावती शहर के प्रसिद्ध अंबापेठ क्लब के परिसर से सटे कला दालन की पुरानी इमारत के स्थान पर एक अत्याधुनिक पांच मंजिला इमारत के निर्माण के लिए 1 करोड़ रूपये की निधि प्रदान की है. इसके लिए एड. प्रशांत देशपांडे ने पहल की थी. आर्ट गैलरी और योग भवन को स्व.विजयराव देशपांडे और निमदेवकार का नाम देने की घोषणा भी की.भूमिपूजन समारोह में सांसद डॉ. अनिल बोंडे के साथ एड. प्रशांत देशपांडे उपस्थित थे. योग भवन क्लब के वरिष्ठ स्व. यशवन्तराव निमदेवकार के नाम रखा जायेगा.डॉ.बोंडे ने कहा कि उनके पिता भी यहां योग करने आते थे.मौके पर दिलीपबाबू इंगोले, नारनजी नावंदर, रविंद्र कडू , एड. प्रशांत देशपांडे मंच पर उपस्थित थे। भारी संख्या में नागरिकों की उपस्थिती के साथ संजय देशमुख, अनिल जवंजाल, पूर्व प्र-कुलगुरु प्रो. राजेश जयपुरकर, मनीष जोशी, संदीप नावंदर, प्रवीण वैश्य, राजेश हुटके, राहुल कुलकर्णी, अशोक देशपांडे, विजय मोहरील, हुकमीचंद खंडेलवाल, गिरीश जालाण, किरण भागवत, रश्मी नावंदर, लवीना हर्षे, राम भागवत, दीपक देशपांडे, तुषार श्राफ, शिरीष श्राफ, भास्कर टोम्पे उपस्थित थे.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

प्रेम की बजाय जानलेवा बनते आपसी रिश्ते

मानव जीवन को किसी की नजर लग गई है. यही कारण है कि आज तनाव बढ़ गया है. तनाव भी ऐसे रिश्तों से बढ़ रहा है, जो रिश्ते प्रेम तथा परिवार बढ़ाने का माध्यम होते हैं. किसान आत्महत्याओं को समझा जा सकता है. लेकिन घरेलू बढ़ते तनाव से आत्महत्याएं होना कठिन और सोचनीय है. ऐसे में यह जानना जरूरी है कि आखिर बढ़ता तनाव इंसान की जान का दुश्मन कैसे बन रहा है. पारिवारिक तनाव के चलते बढ़ती आत्महत्याएं जहां पारिवारिक और सामाजिक समस्या के लिए चिंता का विषय है वहीं संयम तथा सहनशीलता तेजी से घटने के चलते आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही है. मोर्शी तहसील में पारिवारिक तनाव से त्रस्त होकर युवक द्वारा आत्महत्या करने की घटना बिगड़ रहे पारिवारिक ताने बाने का जहां परिचायक है वहीं जो परिवार खुशियां देने का माध्यम बनना चाहिए अगर वही परिवार अपनों की जान का दुश्मन बन रहा है तो इसके लिए निश्चित तौर पर विचार मंथन करने की जरूरत है. वैसे तो आत्महत्या की घटनाएं राष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बढ़ी है लेकिन इसके साथ इसके कर्म का पता लगाकर इसे रोकने के लिए तत्काल पहल करने की जरूरत है.जिले के साथ ही देश में भी युवाओं की आत्महत्या की प्रवृत्ति आत्महत्या वह मृत्यु है जो मरने के इरादे से खुद को चोट पहुँचाने के कारण होती है. आत्महत्या का प्रयास तब होता है जब कोई व्यक्ति अपने जीवन को समाप्त करने के इरादे से खुद को नुकसान पहुँचाता है, लेकिन उसके कार्यों के परिणामस्वरूप उसकी मृत्यु नहीं होती है. कई कारक आत्महत्या के जोखिम को बढ़ा सकते हैं या इससे बचा सकते हैं. आत्महत्या चोट और हिंसा के अन्य रूपों से जुड़ी हुई है. उदाहरण के लिए, जिन लोगों ने हिंसा का अनुभव किया है, जिसमें बाल शोषण, बदमाशी या यौन हिंसा शामिल है, उनमें आत्महत्या का जोखिम अधिक होता है. परिवार और समुदाय के समर्थन से जुड़े रहना और स्वास्थ्य सेवा तक आसान पहुँच होना आत्महत्या के विचारों और व्यवहारों को कम कर सकता है. जिले की मोर्शी तहसील में बुधवार को दो युवाओं द्वारा आत्महत्या की घटना तो यही साबित करती है कि जिस परिवार में प्रेम और समझदारी हो, वहां गरीबी रहने के बाद भी इससे निपटने में आसानी होती है. लेकिन जहां तनाव होता है, वहां बीमारियां, मौत और आत्महत्याओं की ही स्थिति बनती है.अंबाडा निवासी 40 वर्षीय युवक ने दाम्पत्य जीवन के तनाव से त्रस्त होकर तालाब में छलांग लगा कर आत्महत्या की. पत्नी बेटी के साथ मायके चली गई थी, इससे वह व्यथित था और मानसिक परेशानी में ही नितिन उत्तमराव गणेशे ने जान दी.जब हम जिंदगी को युद्ध मैदान मानते हैं तो इस तरह कायराना रवैया क्यों कर अपनाया जाता है.नितिन गणेशे तो उदाहरण हैं, आज समाज में जिस तरह आत्मीयता खत्म होकर परिवार के बीच तनाव बढ़ रहे हैं, उससे खुशियां हर व्यक्ति से दूर हो गई हैं. बस्तीराम पंधरे ने अपने खेत में जहर खाकर आत्महत्या कर ली. जो परिवार किसी समय खुशियों का माध्यम बनता था, आज पति-पत्नी के बीच तकरार इस हद तक हो जाती है कि बात पत्नी द्वारा पति की हत्या करवाने अथवा पति द्वारा आत्महत्या करने तक पहुंचना निश्चित ही खतरनाक है.

मतदाता की समझदारी जरूरी

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

राज्य विधानसभा का चुनाव घोषित हो चुका है. नैतिकता की राजनीति तो खत्म हो गई है. कुर्सी पर कब्जा एकमात्र उद्देश्य और घर भरना ही नेताओं का लक्ष्य होने से कोई इंकार नहीं कर सकता है. लेकिन समय के साथ मतदाताओं को प्रदेश के हित में समझदारी का परिचय देना होगा. चुनाव में ऐसे प्रत्याशियों को साथ दें, जो मानवता,समाजसेवा, राष्ट्रधर्म को महत्व देते हैं. जिनका स्वयं का विकास का विजन है. विकास तथा बढ़ती बेरोजगारी के साथ महंगाई ने सभी को त्रस्त कर दिया है.

वैसे तो राजनीति को लेकर लोगों में आजकल अपार नाराजी है. लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति पिछले कुछ समय से जिस तरह से बदल रही है और दल-बदल की राजनीति के कारण जिस तरह से सत्तापलट के बाद लोगों में राजनीति को लेकर नाराजी है, वह छिपा नहीं है. चुनाव में क्या होता है, इसका अनुभव लोगों को आएगा ही. लेकिन सरकारी नौकरी और विद्यालयों के निजीकरण को लेकर जिस तरह से लोगों में नाराजी है, उसके चलते आगामी समय में राजनीति किस करवट बदलेगी, इसका भरोसा नहीं है.

राज्य की राजनीति में पिछले पांच साल के दौरान व्यापक उठापटक वाली स्थिति है. दो पार्टियां पांच साल में विभाजित हो गई हैं. कुर्सी के लिए दूसरे दलों में जाने वाले नेताओं का रवैया कब क्या रूख लेता है, इसका पता तो उन्हें राजनीति में लाने वाले चाचाओं को भी नहीं रहता है. पार्टी निष्ठा पर सुबह भाषण देने वाला नेता शाम में जब दूसरी पार्टी में शामिल हो जाता है तो निश्चित तौर पर कार्यकर्ता शॉक में आ जाता है. शिवसेना के साथ राकांपा में विभाजन, कांग्रेस में आपसी जूतमपैजार के साथ ही भाजपा में भी अपनों की बजाय दूसरों को अत्याधिक तरजीह देने का आरोप लगाते हुए कार्यकर्ता आगबबूला हैं. अमरावती के साथ बडनेरा की सीट के लिए कई इच्छुक रहने के बाद भी गठबंधन में दूसरे को देने से कार्यकर्ताओं के साथ नेता भी भड़के हैं. नेताओं,कार्यकर्ताओं की नाराजी क्या गुल खिलाती है, यह तो आने वाला समय बताएगा. शिवसेना तथा कांग्रेस में भी कोई तालमेल लोकसभा चुनाव जैसा नहीं दिखाई दे रहा है. प्रहार से राजकुमार पटेल और युवा स्वाभिमान से जीतेन्द्र दुधाने प्रहार में शामिल होने का असर पड़ना निश्चित है.राज्य में राजनीतिक तिड़कम को लेकर सभी में हैरत है. महाराष्ट्र को प्रगतिशील राज्य के रूप में पूरे देश में जाना जाता है. लेकिन यहां पर जिस तरह से राजनीति खेली जा रही है, पद और सत्ता के लिए नेताओं द्वारा नैतिकता को तिलांजलि देते हुए पाला बदला गया है, इस विधानसभा चुनाव में मतदाता सभी पर नजर रखकर फैसला सुनाएगा.

हजारों ने दी अभिषेक पंजापी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ

विदर्भ स्वाभिमान

जीवन में अमरावती शहर ने अपार प्यार दिया है. यही कारण है कि आज सभी क्षेत्र के लोगों का प्यार मिला है. उसी प्यार से ताकत मिलती है. माता-पिता का आदर्श संस्कार और लोगों के प्यार के कारण सामाजिक,धार्मिक कामों में अग्रणी रहने का प्रयास करता हैं. लोगों का यही प्यार असली दौलत है. इन शब्दों में सुख्यात युवा समाजसेवी,व्यवसायी, शिव स्पोर्टस के संचालक अभिषेक पंजापी ने अपनी भावनाएं व्यक्त की. उनके मुताबिक जीवन में संघर्ष से जूझते हुए वे सोना बन पाए हैं. मानवता की सेवा उनकी रग-रग में है. संयुक्त परिवार आज की जरूरत है. परिवार का साथ रहने पर आदमी किसी भी कठिन स्थिति से निपट सकता है. इसलिए परिवार में प्रेम बढ़ाने का काम करें. यारों के यार और हजारों मित्रों में लोकप्रिय शहर ही नहीं तो व्यवसाय, समाजसेवा, राजनीति के क्षेत्र में जिले में स्वयं की स्वतंत्र पहचान रखने वाले युवा उद्यमी अभिषेक पंजापी को उनके जन्मदिन पर हजारों लोगों ने शुभकामनाएं दी. सभी ने जहां उनके स्वस्थ दीर्घायु की कामना की, वहीं दूसरी ओर अभिषेक पंजापी ने भी सभी के प्रेम, अपनेपन के लिए दिल से आभार जताते हुए इसे ही अपनी ताकत बताया.

उनके मुताबिक बचपन से ही संघर्ष और माता-पिता के आशिर्वाद, परिवार के साथ के साथ ही लोगों के प्यार के कारण ही जीवन में उन्हों ने सफलता हासिल की है. लोगों का प्यार और अपनापन हीउन्हें सदैव ताकत देता है. शून्य से संसार का निर्माण क्ररने वाले अभिषेक पंजापी का जन्मदिन सादगी से विभिन्न गरीबों, जरूरतमंदों की मदद कर मनाया गया.

सफलतम युवा व्यवसायी के साथ ही सदैव सेवाभावी कामों में अग्रणी रहने वाले किया.सम्पन्नता में भी कोई व्यक्ति किस तरह मिलनसार, मददगार और किसी भी नेक काम में आगे बढ़ने वाला कैसे हो सकता है. सिंधी समाज ही नहीं तो पूरे शहर में अभिषेक पंजापी को कर्मठ युवा के रूप में पहचाना जाता है. स्थानीय से लेकर सांसद और मंत्री तक परिचय रहने के बाद भी उनकी सादगी, उनका अपनापन लोगों को जोड़ने का काम करता है. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ों मंगलय हार्दिक शुभकामनाएं. वे जीवन में स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.सुबह से ही जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए मोबाइल, फोन, वाटसअप तथा फेसबुक के माध्यम से अभिषेक को लोगों द्वारा जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई.

सभी का आभारी हूं

जीवन में दोस्तों को सर्वाधिक महत्व देने वाले और उसे निभाने के लिए सदैव तत्पर रहने वाले अभिषेक पंजापी के मुताबिक हजारों लोगों का प्यार, आशिर्वाद तथा परिवार का साथ ही उनकी ताकत है. उन्होंने जन्मदिन की शुभकामनाएं देने वाले सभी के प्रति दिल से आभार जताते हुए सभी का प्यार इसी तरह सदैव मिलने का भरोसा जताया.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

भक्तिधाम मंदिर में पावन मानवता की सेवा

सनातन धर्म की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह परमार्थ को अत्याधिक महत्व देता है. धर्म को मानवता की सेवा से जोड़ने का शानदार संगम बडनेरा रोड स्थित भक्तिधाम मंदिर और जलाराम सत्संग मंडल को कहा जा सकता है. जहां मानवता सेवा की अविरल धारा चलती रहती है. अभी तक चार दशकों से जारी अन्नदान सेवा में लाखों जरूरतमंदों को लाभ हो गया है. सत्य सनात्न धर्म के आदर्श पुरूष भगवान श्रीराम जहां हमारे आदर्श पुरूष हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय देवी-देवताओं ने सदैव मानवता की सेवा की ही सीख दी है. भक्तिधाम में जाने-माने व्यवसायी दिलीप अंबानगरी धार्मिक, शिक्षा, संस्कार के साथ ही मानव सेवा के केन्द्र के रूप में भी जानी जाती है. यहां धार्मिकता के साथही अपार सेवाभाव का दर्शन सर्वत्र होता है. इसमें विदर्भस्तर ही नहीं तो महाराष्ट्र स्तर पर सुख्यात भक्तीधाम मंदिर और जलाराम सत्संग मंडल का मानवीय कार्य सभी के लिए बेहतरीन है. यहां पर पिछले 35 साल से अधिक समय से गरीबों और जरूरतमंदों के लिए चलने वाली अन्नदान सेवा तो सराहनीय है. इतना ही नहीं तो इसमें बड़ी संख्या में

भक्तिधाम मंदिर तथा जलाराम सत्संग मंडल द्वारा 37 साल से अविरत चल रही है अन्नदान सेवा क़ा अभी तक लाखों लोगों ने लाभ उठाया है. मंदिर के पदाधिकारियों का समर्पण न केवल सराहनीय बल्कि अभिनंदनीय भी है.

लोगों का जुड़ना और सेवा के लिए तत्पर रहना भी अपने आप में प्रशंसनीय ही है.वैसे भी शहर ही नहीं तो सेवाभाव के लिए गुजराती समाज और उसमें भी दिलीप पोपट परिवार के योगदान की चर्चा समूचे जिले ही नहीं तो विदर्भ में होती है. दिलीपभाऊ ही नहीं बल्कि बेटा तथा पूरा परिवार ही सेवाभाव में किस तरह तल्लीन रहता है, इसका अनुभव स्वयं विदर्भ स्वाभिमान की टीम को आया. गुरूवार को हमेशा भक्तीधाम में आयोजित महाप्रसाद कार्यक्रम में स्वयं सेवा देते हैं. हालांकि स्वास्थ्य कारणों से उन्हें अत्याधिक भागदौड़ से मना किया गया है. लेकिन वे कहते हैं कि जिंदगी प्रभु का दिया उपहार है, यह अगर उनके काम नहीं आए तो किस काम का. पूरा पोपट परिवार सचमुच व्यवस्था से लेकर हर मामले में व्यक्तीगत ध्यान देता है. उन्हें पूर्व प्राचार्य अनिल पंड्या, ठक्कर, सुधीरभाई शाह के साथ ही सभी का जिस तरह से सहयोग मिलता है, उसके चलते भक्तीधाम आज जिले ही नहीं तो विदर्भ के आदर्श धार्मिक और मानवसेवा के मंदिर के रूप में सुख्यात है.

मंदिर के प्रबंधन के साथ ही जलाराम सत्संग मंडल की कार्यकारिणी के प्रमुख अध्यक्ष दिलीपभाई पोपट के कुशल नेतृत्व में सभी सेवाभावी उपक्रमों का संचालन किया जाता है. इसमें पूरा गुजराती समाज जिस तरह से योगदान देता है, सेवाएं देता है, उसकी भी जितनी सराहना की जाए, कम है. विदर्भ स्वाभिमान ने संस्था के बेहतरीन कामों को ध्यान में रखते हुए इसे किश्तों में चलाना शुरू किया है. मंदिर में जहां सालभर धार्मिक कार्यक्रम चलते रहते हैं, वहीं दूसरी ओर मानवता सेवी उपक्रम भी इसकी खूबी है. इन सेवाभावी उपक्रमों में योगदान देने वालों में दिलिपभाई पोपट, किरीटभाई आडतिया, सुरेशभौई राजा, हसमुखभाई कारिया, अमृतभाई पटेल, किशोरभाई भिंडा, राजूभाई आडतिया, राजेशभाई पोपट, अरूणभाई आडतिया, केतनभाई सेठिया, अनिलभाई पंड्या, मनीषबाई तेली, हर्षदभाई उपाध्याय, गोविंदभाई पटेल, लालचंदी गुप्ता, हरीशभाई तन्ना, नितिनभाई गणात्रा, विनोदभाई तन्ना, भावेशभाई दासाणी, किरीटभाई ठक्कर, किरणभाई आडतिया, किरीटभाई गढिया, निलेशभाई हिंडोचा, विनयभाई तन्ना, कमलेशभाई आडतिया, किशोरभाई कारिया, नानुभाई बगड़ाई तथा जीतेन्द्रभाई कारिया का समावेश है. वैसे तो मंदिर में हर दिन अन्नदान रहता है. लेकिन गुरूवार के दिन जिस तरह से प्रसाद का कार्यक्रम रहता है और इससे पहले जिस तरह से रामधुन होती है, वह भोजन के साथ ही सभी को मन की शांति देने वाला भी रहता है. गुजराती समाज के लोगों की सेवाभावना वैसे तो सदैव ही सराहनीय रही है लेकिन स्वयं दिलीपभाई पोपट इस काम में अग्रणी रहते है. स्वयं के साथ ही पोपट परिवार के सदस्यों की सेवाभावना भी सराहनीय है. रविवार की रामधुन भी अपार लोकप्रिय है.

सुभाष दुबे
संपादक

अच्छा करने वालों के साथ सदैव रहते हैं प्रभु

हजारों ने दी जन्मदिन पर रामेश्वर उपाध्याय को शुभकामनाएं, सभी का जताया आभार

जितना संभव हो सके, हमें अच्छा करने तथा अच्छे को प्रोत्साहित करने का प्रयास करना चाहिए. इससे मिलने वाला सुकून करोड़ों रूपए की दौलत से कई गुना अधिक होता है.

विदर्भ स्वाभिमान,16 अक्तूबर

अमरावती- जीवन में अच्छा करने वाले के साथ भगवान कभी बुरा नहीं होने देते हैं. इसलिए सदैव जीवन में जितना संभव हो सके, अच्छा करने से मन को शांति मिलती है. जीवन में मानवता की सेवा प्रभु सेवा से कम नहीं होती है. काम के साथ ही समय मिलने पर प्रभु का स्मरण, माता-पिता की सेवा का पुण्य सदैव कमाते रहें. यही वह पुण्य होता है जो जीवन के अंतिम समय में भी साथ देता है. सभी को हंसाने का प्रयास करने वालों को सदैव याद किया जाता है. रूलाने वालों को लोग कभी याद नहीं करते हैं. इस आशय का मत सुख्यात समाजसेवी और व्यवसायी रामेश्वर उपाध्याय ने व्यक्त किया. अपने जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने वालों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि लोगों का यही प्रेम उन्हें सदैव कुछ नया करने की प्रेरणा देता है.

शहर ही नहीं तो समूचे जिले में सेवाभाव, सामाजिक कामों में अग्रणी रहने क़े साथ ही आदर्श आचार विचार और संस्कारों वाले दिल के राजा व्यक्ति के रूप में रामेश्वर उपाध्याय की पहचान है. उनके 15 अक्तूबर को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. वे कामयाबी की बुलंदीपर रहने के बाद भी मिलनसार स्वभाव के धनी हैं. इतना ही नहीं तो मानव सेवा और समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणी रहते हैं. आज के दौर में जहां हर व्यक्ति स्वार्थ से भरा रहता है, वहीं रामेश्वर उपाध्याय कामयाबी के बाद भी आज भी सभी को सम्मान देने के साथ ही उनके मधुर स्वभाव के कारण ही आज उनके कुशल नेतृत्व में संचालित उपाध्याय मिठाइयां जवाहर रोड केभीतर और उपाध्याय ड्रायफ्रूट ग्राहकों की पहली पसंद बना है. वे कहते हैं कि ज़हां सुमति तहं सम्पति नाना, जहां पर समझदारी होती है और एकता होती है, वही परिवार सदैव आगे बढ़ता है.

उनके नाती के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पिछले साल आयोजित कार्यक्रम में जिस तरह से हजारों की संख्या में लोग उमड़े थे, वह उनकी अपार लोकप्रियता और सामाजिकता का ही परिचायक कहा जा सकता है. बातचीत में जहां सादगी झलकती है, वहीं दूसरी ओर आत्मीयता इतनी कि उनसे पहली ही मुलाकात में कोई भी उनका मुरीद हुए बगैर नहीं रहेगा. चाचाजी से पिछले पांच साल के दौरान परिचय में जिस तरह की आत्मीयता उनसे मिली, आज के दौर में यह कठिन ही है. आदर्श परिवार प्रमुख, व्यवसायी, पति के साथ ही सभी रिश्तों को दिल से निभाने वाले व्यक्ति हैं. इसके बाद दिन भर उन्हें जिले ही नहीं तो राज्यभर से तथा मित्रों का जन्मदिन की शुभकामनाओं का सिलिसलिा देना जारी रहा.

ज़न्मदिन 15 अक्तूबर को हजारों की संख्या में मित्र परिवार ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घायु की कामना की. उन्होंने भी सभी की शुभकामनाओं को स्वीकार करने के साथ ही सभी की आत्मीयता और प्रेम के लिए कृतज्ञता जताई. साथ ही यही उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी रहने की बात कही.वे कहते हैं कि हम स्वयं को जितना व्यस्त रखते हैं, उतना ही बेहतरीन रहता है. खाली दिमाग शैतान का घर होता है. जो लोग स्वयं को व्यस्त रखते हैं, उन्हें नाहक की बातें सोचने का मौका नहीं मिलता है. वे काम में ही आनंद लेते हैं. चाचाजी के आदर्श संस्कारों का असर पूरे परिवार पर दिखाई देता है. अर्धांगिनी के साथ ही भतीजे और परिवार के संस्कार निश्चित ही उनकी मेहनत तथा प्रयासों को गिनाते हैं. उनकी सादगी, उनकी विनम्रता दूसरे के बूते की बात नहीं है.उन्हें जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं, आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही प्रभु चरणों में कामना.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे   प्रबंधक : सौ. विना एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

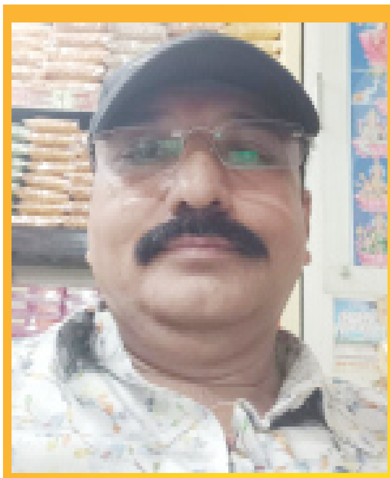

उपाध्याय घीवर मिठाईयां, उपाध्याय ड्रायफ्रूट के संचालक, सभी के चहेते और अग्रणी समाजसेवी दिल के राजा

रामेश्वर उपाध्याय

को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

शुभेच्छुक

विदर्भ स्वाभिमान

जीवन संवारने वाली मां आपको शत-शत नमन

द्वितीय पुण्यस्मरण : श्रीमती उषादेवी पंजापी धार्मिक विचारों से ओतप्रोत, जोड़ने वाली आदर्श महिला थीं

सर्वप्रथम मां के चरणों में कोटि-कोटि नमन. आज आपको हमसे बिछड़े दो साल हो गए हैं लेकिन कोई भी पल ऐसा नहीं रहा, जब आपकी याद नहीं आयी हो.दुनिया में मां की बराबरी शायद ही कोई कर सकता है. लेकिन बदलते समय में आज माता-पिता के प्रति सम्मान और आदर वाले आदर्श परिवार के रूप में पंजापी परिवार का उल्लेख किया जा सकता है. धार्मिकता से ओतप्रोत तथा ममतामई श्रीमती उषा पंजापी आदर्श गृहिणी के साथ ही आदर्श मां थी. उन्हें बिछड़े एक साल हो गया है. लेकिन ऐसा कोई दिन नहीं बीता, जब उनकी याद नहीं आई हो. पंजापी परिवार व्यवसाय में सफलता की बुलंदी के साथ ही सामाजिक कामों में भी अग्रणी परिवार के रूप में पहचाना जाता है. इसका श्रेय उनके आदर्श संस्कारों को जाता है. स्थितियां कैसी भी रही हों , उन्हों ने आदर्श महिला के सभी दायित्वों को दिल से निभाकर समाज के साथ ही शहर में पहचान बनाई थी. इसकी झलक उनके दोनों बेटों अभिषेक और मुकेश पंजापी के साथ ही पूरे परिवार में मिलती है.

वैसे भी दुनिया की रीति है, यहां आने वाले को जाना ही पड़ता है. लेकिन बहुत कम ऐसे खुशनसीब होते हैं जिनका जीवन फूलों की सुगंध की तरह होता है. जिनका स्वभाव, जिनकी सीख परिवार के साथ ही समाज के लिए भी प्रेरणा देने का काम करती है. ऐसी ही धामिक, मिलनसार महिला थी शहर के सुख्यात युवा व्यवसायी अभिषेक पंजापी, मुकेश पंजापी की माताश्री श्रीमती उषादेवी पंजापी. आत्मीयता और ममता इतनी कि पूरे क्षेत्र में उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखा जा सकता था. पिछले कुछ महीनों से बीमार चल रही थी. पंजापी परिवार द्वारा उनके बेहतरीन स्वास्थ्य के लिए जान की बाजी लगा दी गई. सालभर पहले उन्होंने जीवन को अलविदा कहते हुए इस संसार से विदा ली थी. कहते हैं कि जीवन में कभी भी मां का रिश्ता स्वार्थी नहीं होता है. अमरावती शहर में पंजापी परिवार व्यवसाय के साथ ही समाजसेवा और मानवसेवा के क्षेत्र में अग्रणी है. इसका पूरा श्रेय किसी को जाता है तो वह श्रीमती उषादेवी पंजापी को जाता है. पुत्र अभिषेक बताते हैं कि स्थितियां कैसी भी हों लेकिन मां ने स्वयं को संभाला और परिवार को संभालने के साथ ही ममता की छांव इस तरह लूटाई कि पिछले एक साल के भीतर कभी भी ऐसा पल नहीं

विदर्भ स्वाभिमान

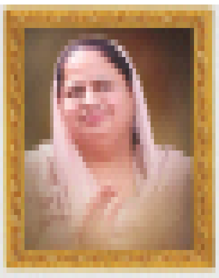

गया होगा, जब मां की परिवार को याद नहीं आयी होगी. जीवन कितने दिनों का है, यह तो कोई नहीं जानता है लेकिन इतना तय है कि कुछ ही लोग ऐसे नसीबवान होते हैं, जिनका परिवार उनके लिए संबल बनता है. ऐसे ही नसीबवाले परिवार के रूप में पंजापी परिवार का उल्लेख किया जा सकता है.

बचपन से ही परिवार को भी काफी संघर्ष करना पड़ा. लेकिन आदर्श मां के रूप में श्रीमती उषा पंजापी ने जहां परिवार को संभाला, वहीं आदर्श आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने का काम किया. आदर्श संस्कारों की जननी- स्थानीय सिद्धि विनायक कॉलोनी निवासी पंजापी परिवार संयुक्त परिवार के साथ ही परिवार में जिस तरह से एकता और सभी के प्रति समर्पण, आपसी प्रेमभाव है, वह निश्चित ही सराहनीय है. मातोश्री श्रीमती उषादेवी पंजापी आदर्श विचारों वाली महिला थीं. इतना ही नहीं तो उन्होंने बच्चों को भी वही आदर्श संस्कार दिया था. आज दोनों ही बेटे अभिषेक व मुकेश जहां व्यवसाय के क्षेत्र में जहां कामयाबी की बुलंदी पर हैं, वहीं दूसरी ओर सामाजिक, राजनीतिक,सेवाभावी कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. सम्पन्नता में भी पंजापी परिवार की विनम्रता सभी को प्रभावित करती है. मातोश्री श्रीमती उषादेवी पंजापी मिलनसार के साथ ही धार्मिक स्वभाव की महिला थी. भक्तिभाव के साथ उनका मानना था कि इन्सान को इन्सान के काम में आने का सदैव प्रयास करना चाहिए. धार्मिकता को वे सदैव महत्व देने के साथ ही बच्चों को भी उन्हों ने सदैव यही आदर्श संस्कार दिया. बच्चों से लेकर परिवार और इतना ही नहीं तो विभिन्न फर्मो में कार्यरत कर्मचारियों के लिए भी उनका स्वभाव ममतामयी मां जैसा था. उनका भी ख्याल रखती थी.अभिषेक पंजापी, मुकेश पंजापी,रवि पंजापी, जय पंजापी, धीरज भिरानी के साथ ही पूरा पंजापी परिवार शोक में डूब गया. परिवार के लिए उनके बगैर यह एक साल काफी भारी बीता है. कोई ऐसा पल नहीं रहा, जब वे सभी को याद नहीं आई. उनके आदर्श विचारों पर चलने के संकल्प के साथ प्रथम पुण्यस्मरण पर उन्हें विनम्र आदरांजलि. भगवान उनकी दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करें, प्रभु चरणों में यही कामना.दोनों पुत्र अभिषेक एवं मुकेश बताते हैं कि मां धार्मिक महिला थी. सदैव भक्तिभाव में लगी रहती थी. लेकिन परिवार में प्रेम, सदाचरण, आदर्श विचारों के साथ ही संस्कारों को प्रदान करने वाली महिला थी. सभी की सुविधाओं का ख्याल जहां रखती थी, वहीं दूसरी ओर पूरे परिवार को अपनी ममता की छांव में सदैव आगे बढ़ने की प्रेरणा दी. पंजापी परिवार के लिए वे जहां आदर्श थी, वहीं उनकी सादगी, विनम्रता, शांत स्वभाव परिवार के लिए प्रेरणा देन का काम करता था. वे बताते हैं कि मां को कभी गुस्सा नहीं आता था. पिताजी के देहांत के बाद यद्यपि बड़ा भारी दुःख परिवार पर पड़ा था लेकिन वह हिम्मती और परिवार को संभालने वाली मां श्रीमती उषादेवी पंजापी ही थी, जिन्होंने परिवार को अपनी ममतामयी छांव में संभाला. अपने दुखों को भूलते हुए बच्चों को संभालने पर ही पूरा ध्यान दिया. लेकिन विधाता को कुछ और ही मंजूर था. यही कारण है कि एक साल के अंतराल में ही परिवार पर दोहरा आघात पड़ा. मां के चरणों में कोटि-कोटि नमन और उन्हें पुण्यस्मरण पर विनम्र आदरांजलि.

शोकाकुल
पंजापी परिवार,
सिद्धि विनायक कॉलोनी,
अमरावती

महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण, जलव्यवस्थापन विभाग,अमरावती

Email ID:- eemjpdivamt@gmail.com

Phone no. 0721-2550538

ई-निविदा सूचना क्रमांक 40 सन 2024-2025

कामाचे नाव-:- अमरावती पाणी पुरवठा योजना (देखभाल व दुरूस्ती) अंतर्गत सिंभोरा हेडवर्क्स येथे वार्षिक देखभाल व दुरूस्ती करीता विद्युत अभियंता, पंप चालक, वीजतंत्री, हेल्पर व मजदूरची सेवा पुरविणे बाबतचे एका कामाची निविदा मजीप्रा जलव्यवस्थापन विभाग अमरावती यांचे कडून बी-1 पद्धतीने मागविण्यात येत आहे. कामा संबंधीचा सविस्तर तपशील दिनांक 14-10-2024 ला 16.00 वाजे पासून विभागीय कार्यालयाचा नोटिस बोर्ड व महाराष्ट्र शासनाच्या ई-टेंडर संकेतस्थळ **https://mahaeenders.gov.in/nicgep/app** वर उपलब्ध राहील.

विवेक सोळंके
कार्यकारी अभियंता
मजीप्रा, जलव्यवस्थापन विभाग,अमरावती

अम/जाहि./688/2024-2025

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

शून्य से संसार बनाने वाले व्यक्तित्व हैं शंकरराव श्रीराव

जन्मदिन पर विशेष,हजारों छात्रों के लिए प्रेरणादायी व्यक्तित्व

ज़ीवन में सब कुछ मिलने के बाद भी सफलता नहीं प्राप्त कर सकने वाले करोड़ों की भीड़ में कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिनके जीवन में तमाम बाधाएं आने के बाद भी कभी इनसे नहीं हारते हैं. बल्कि अपनी मेहनत और लगन से रास्ता मोड़ देते हैं. ऐसे ही लोगों में शामिल हैं उच्च विद्याविभूषित, राज्य से लेकर अंतर्राष्ट्रीय कई पुरस्कार प्राप्त करने वाले शंकरराव मारोतराव श्रीराव. आमतौर पर सफलता के बाद आदमी में अहंकार आता ही है. लेकिन आज भी जमीन से जुड़े हैं. उम्र के 80 साल में भी चेहरे की चमक उनके व्यक्तित्व को बताने के लिए काफी है.

जीवन में जहां प्रयासों को सफलता की सीढ़ी मानते हैं, वहीं दूसरी ओर प्रारब्ध को भी महत्व देते हैं. प्रयासों को प्रारब्ध का साथ मिलने से सफलता निश्चित रहने की बात कही. सही दिशा में प्रयास को सफलता की कुंजी मानते हैं. प्रयास और प्रारब्ध का गहन अनुभव जगविख्यात श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले श्रीराव ने किया है. जिले के पूर्णानगर में 5 अक्तूबर 1945 को उनका जन्म हुआ. पश्चात पिता का अमरावती में आगमन हुआ. 5 साल की उम्र में पिता का साया हट गया. वे प्राइवेट कंपनी में पैसें जर गाड़ी के चालक थे. मां का भी प्रेम नहीं मिल पाया. प्राथमिक शिक्षा बुधवारा क़े मनपा शाला में हुई. माध्यमिक शिक्षा के बाद तंत्रशिक्षा में दिलचस्पी रहने के बाद भी आर्थिक कमजोरी बाधा बनी. नमूना में संयुक्त परिवार का घर था. घर की स्थिति को ध्यान में रखते हुए तिवसा के देवरावदादा माध्यमिक शाला में शिक्षक के रूप में जीवन शुरू हुआ. पढ़ाई की ललक थी. मेहनत से बीएस्सी गणित तथा बीएड की डिग्री प्राप्त की. आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहने के बाद भी केन्द्र सरकार की छात्रवृत्ति के कारण उनकी शिक्षा हुई. आज वे उच्च विद्याविभूषित एमएससी, एम.एड. तथा एम.फिल की डिग्री है. राज्य के विशेष शिक्षक से लेकर उल्लेखनीय समाजसेवा तथा शिक्षा सेवा के लिए दो दर्जन से अधिक पुरस्कार उन्होंने प्राप्त किया है.

श्री हव्याप्रमं में प्रवेश

उच्च शिक्षा के बाद आर्थिक स्थिति में तेजी से सुधार होना शुरू हुआ. जगविख्यात श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के शिक्षा महाविद्यालय में बतौर प्राध्यापक सेवारत हुए. उसी साल सुशील, सुंदर युवती से विवाह हुआ. एक साथ के बाद पुत्र तथा पश्चात एक पुत्र की प्राप्ती होने के साथ ही जिम्मेदारी भी बढ़ती गई. नौकरी पर लगने के बाद भी पढ़ाई जारी रही और एमएस्सी गणति के साथ एम.फिल की शिक्षा प्राप्त की. उनकी ईमानदारी, कर्मठता और काम के प्रति समर्पण को देखते हुए हव्याप्रमं में पहले कार्यालयीन सचिव तथा इसमें बेहतर काम करने के बाद संस्था के सचिव के रूप में बेहतरीन काम किया. पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य को आदर्श व्यक्तित्व मानने वाले श्रीराव के मुताबिक पश्चात उन पर संस्था ने शालेय शिक्षा के संचालक की जिम्मेदारी डाली. 1980 से लेकर 2010 तक वे इस पद पर रहे. शिक्षा महाविद्यालय के प्राचार्य के रूप में काम करते हुए 2005 में सेवानिवृत्त हुए. कई किताबों के वे जहां लेखक हैं, वहीं पाठ्यपुस्तक में भी उनकी किताबें शामिल हैं. सेवानिवृत्त होने के बाद भी संस्था द्वारा 10 साल तक सेवा का मौका दिया गया. 70 साल की सेवा के दौरान राज्य के विशेष शिक्षक पुरस्कार के साथ प्रतिष्ठित 20 से अधिक पुरस्कार उन्हें मिले हैं. राज्य,राष्ट्रीय ही नहीं तो अंतर्राष्ट्रीय उन्होंने प्राप्त किया है. आदर्श पति के रूप में पत्नी को उच्च शिक्षा दिलाने के साथ उन्होंने भी शिक्षिका के रूप में कार्य किया. शिक्षा शास्त्र में एमफिल के साथ एम.एड. किया. दोनों बेटे भी उच्च शिक्षित हैं. प्रवीण श्रीराव साफ्टवेयर कंपनी का मालिक है. बेटा नितिन भी अभियांत्रिकी महाविद्यालय में एमसीए विभाग के संचालक के रूप में परिवार तथा समाज का नाम रोशन कर रहा है. बेटे की बेटी भी मेधावी छात्रा है और शिक्षा में मेरिट आती रही है. 9 सदस्यों वाला परिवार खुशहाल है. दोनों बच्चे बाहर रहने के बाद भी दीपावली के दौरान पूरा परिवार एकजुट होता है.

आत्मचरित्र लिखकर तैयार

जीवन के संघर्ष से लेकर कामयाबी की आसमानी उंचाई के बाद भी उनकी सादगी सराहनीय है. जीवन के अनुभवों का विवरण आत्मचरित्र के रूप में तैयार है. यह प्रकाशित होने के बाद लाखों युवाओं को प्रेरणा देने का विश्वास उन्हें है. उम्र के 80 साल पूरा करने वाले श्रीराव को विदर्भ स्वाभिमान की हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

बहुगुणी व्यक्तित्व हैं प्राचार्य विवेक मोहोड

सेवानिवृत्ति पर विशेष, प्राचार्य बनने के बाद भी ज़ो बने रहे सदैव गणित के शिक्षक

जीवन में कुछ ही लोग ऐसे होते हैं जिनका व्यक्तित्व दिखता नहीं है लेकिन उनके साथ रहने वाले को उनके आसमानी व्यक्तित्व का अनुभव होता है. ऐसे ही लोगों में हैं श्रीरामकृष्ण विद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य विवेक मोहोड. गणित के अध्यापक के रूप में शिक्षा सेवा शुरू करने वाले विवेक मोहोड ने प्राचार्य तक का सफर तय किया. जहां उन्होंने आदर्श शिक्षक के रूप में लाखों बच्चों का जीवन संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, वहीं गरीब और जरूरतमंद बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग के माध्यम से देश के विकास में प्रमुखता से योगदान दिया. बोलने में कम और करने में अधिक भरोसा रखने वाले विवेक मोहोड के स्वभाव के चलते उन्होंने हजारों मित्र परिवार बनाए हैं, जिनका प्रेम, आत्मीयता और सम्मान सदैव उन्हें मिलता है.

मेरा 1995 में उनके साथ संपर्क आया, युको बैंक में सेवारत संजय गुल्हाने के माध्यम से उनका परिचय हुआ. इसके बाद उनके चुंबकीय स्वभाव का ही असर कह सकता हूं कि बाद में यह दोस्ती कब घनिष्ठता में बदली और कब एक-दूसरे के परममित्र बन गए, इसका पता ही नहीं चला. सादगी, विनम्रता,सख्त अनुशासन प्रियता के साथ ही सभी सहयोगियों के साथ ही कर्मचारियों के साथ भी सम्मानजनक व्यवहार करने की उनकी अदा पर सभी फिदा रहते हैं. जहां शिक्षकों, कर्मचारियों के चहेते हैं, वहीं दूसरी ओर प्रबंधन के साथ बेहतरीन समन्वय

लाखों बच्चों का जीवन संवारने वाले हैं गुरूजी

रखते हुए विद्यालय की प्रगति और छात्रों के विकास के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया. आज गणित शिक्षक के रूप में उन्होंने जहां लाखों छात्रों को बेहतरीन शिक्षा देने का काम किया, वहीं दूसरी ओर विद्यालय की कामयाबी को भी बुलंदी पर पहुंचाने और इस विद्यालय के गौरव को पूरे जिले में चमकाने में भी सदैव महत्वपूर्ण योगदान दिया.

आज जहां पैसे की अंधी दौड़ ने हर व्यक्ति को प्रभावित किया है, वहीं विवेक मोहोड ने जीवन में सामाजिक, शैक्षिक, गरीब बच्चों की हर तरह से मदद करने का बीड़ा उठाते हुए इसे पूरा किया. आज भी लाखों छात्र उन्हें सम्मान देते हैं. समर्पित भाव से गणित शिक्षक की भूमिका से सदैव खुश रहने वाले विवेक मोहोड को जब प्राचार्य बनाने की बात उठने लगी तो उन्होंने विनम्रता के साथ इस उच्च पद को स्वीकार करने की बजाय गणित के शिक्षक के रूप में ही छात्रों का भविष्य संवारने में दिलचस्पी दिखाई. लेकिन उनकी कर्मठता, नेतृत्वगुण को देखते हुए श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल की सचिव डॉ. माधुरीताई चेंडके और महासचिव पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य के आग्रह को मानते हुए इस पद को स्वीकार किया. कहते हैं कि ज़ब मन में समर्पण हो, काम करने का त्याग हो तो राहें आसान हो जाती हैं. गणित शिक्षक के रूप में उन्होंने जहां समर्पित होकर शिक्षा सेवा दी, वहीं दूसरी ओर प्राचार्य रहने के बाद भी सुबह 7.30 बजे से रात 7.30 बजे तक विद्यालय के प्रशासनिक कामों को निपटाने का कार्य करते थे. आज जब लोग घड़ी देखकर काम करने के आदी हो रहे हैं, ऐसे में विवेक मोहोड जैसे लोग किसी आदर्श से कम नहीं हैं. जहां शिक्षक के रूप में आदर्श सेवा दी, वहीं पत्नी तथा बच्चों पर भी सदैव ध्यान दिया. आज उच्च शिक्षित उनकी पत्नी ने जहां बच्चों को आदर्श संस्कार देकर उच्च शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, वहीं मोहोड परिवार आदर्श उच्च शिक्षित परिवार के रूप में अमरावती में अपनी पहचान बना चुका है. सेवानिवृत्ति पर उन्हें हमारी हार्दिक शुभकामनाएं, वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और तंदुरूस्त रहकर छात्रों का मार्गदर्शन करते रहें, यही प्रभु चरणों में कामना.

प्राचार्य संजय शिरभाते
अमरावती.

प्रा.शंकरराव मारोतराव श्रीराव

के जन्मदिन तथा तमाम उपलब्धियों को हमारा नमन. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

शुभेच्छुक- विदर्भ स्वाभिमान, प्राचार्य संजय शिरभाते तथा परिवार,अमरावती.

मेष
इस राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह बेहतरीन फलदायी रहने वाला है. वाहन से सावधानी बरतने के साथ काम पर ध्यान देना लाभदायी होगा.

वृषभ
भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे. दूसरों की भावनाओं का सम्मान करेंगे.रिश्तों में चल रही गलतफहमी दूर होगी.

मिथुन
अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.

कर्क
दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें . आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह
सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या
विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला
घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक
दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु
गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर
घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ
समझदारी के साथ जिद करने से बचें . अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन
दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है. समय पर फैसला होगा लाभकारी.

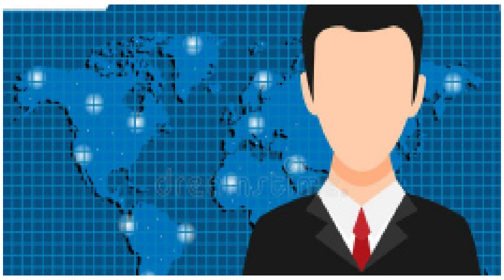

संवाददाता/मार्केटिंग एक्जकूटिव चाहिए

आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान को जिले में सर्वत्र संवाददाता तथा मार्केटिंग के लिए मेहनती और समर्पित युवक-युवती चाहिए. अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुडस्,जवाहर रोड के भीतर,अमरावती

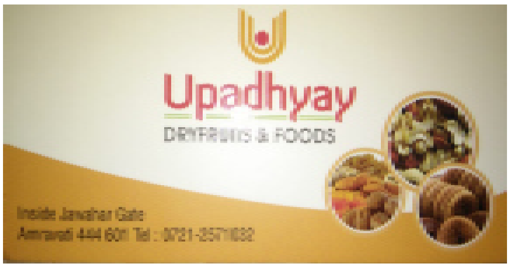

ज़वाहर रोड के भीतर,अमरावती.

पूज्य मां आपको हमसे बिछड़े पूरे दो वर्ष हो गए हैं. लेकिन ऐसा कोई पल नहीं गया जब आपकी याद नहीं सताई हो. आपकी दिव्य आत्मा को प्रभु चरणों में स्थान मिले, प्रथम पुण्यतिथि पर हम सभी विनम्र आदरांजलि अर्पित करते हैं.

श्रीमती उषादेवी पंजापी

शोकाकुल - पंजापी परिवार, फर्म-शिव स्पोर्टस प्वाइंट, राम होजियरी, प्रगति स्पोर्टस,अमरावती.

बगावत के डर ने रोक दी है प्रत्याशियों की सूची

विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए मिलेंगे केवल पंद्रह दिन,दल-बदल होगी तेज

राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा हो गई है. इसके साथ ही दल-बदल और बगावत तेज होने के आसार हैं. राज्य में नैतिकता तो राजनीति से हद्दपार हो गई है. अमरावती जिले की राजनीति तो इस बार काफी कश्मकश भरी हो गई है. विधानसभा चुनाव में झटके पर झटके लगने शुरू हो गए हैं. युवा स्वाभिमान के जीतू दुधाने ने प्रहार में जाने का मन बनाया है. यह चुनाव में पहला झटका है. पहले राजकुमार पटेल शिवसेना शिंदे में जाने पर बच्चू कडू को लगा था. ऐसे कितने झटके लगें गे, यह तो आने वाला समय बताएगा. लेकिन मतदाता शांत है. राज्य में दोनों महागठबंधन बगावत से डरे हैं. इसलिए अभी भी सीटों का फाइनल नहीं हो रहा है. एक अनार सौ बीमार वाली स्थिति में कौन तरेगा, कौन मरेगा, यह तय नहीं है. कार्यकर्ता असमंजस में हैं.

विधानसभा के चुनाव को लेकर प्रचार को केवल पंद्रह दिन मिलने वाले हैं. लेकिन दोनों ही महागठबंधनों द्वारा जिस तरह एक-दूसरे को डाल-डाल और पात-पात वाला रवैया अपनाया जा रहा है और उम्मीदवारी घोषित करते ही बगावत का डर सता रहा है, उसके चलते चुनावी कार्यक्रम की घोषणा के दो दिनों बाद भी कोई चहल-पहल नहीं देखी जा रही है. अमरावती शहर में कांग्रेस, भाजपा, राकांपा के साथ ही अन्य छोटे दलों में आटा कम, फकीर ज्यादा वाली स्थिति है. इसमें कांग्रेस की उम्मीदवारी प्राप्त करने को लेकर अल्पसंख्यक समाज द्वारा जिस तरह से मांग की जा रही है, राकांपा भी अल्पसंख्यक वोटों को लेकर जिस तरह से फोकस कर रही है, उसके चलते इस बार अमरावती में सुलभा खोडके, डॉ. सुनील देशमुख, जगदीश गुप्ता अगर मैदान में उतरते हैं तो यह मुकाबला गठबंधन की बजाय त्रिकोणीय संघर्ष में बदलने की संभावना जताई जा रही है. राज्यस्तर पर भाजपा तथा सहयोगी दलों द्वारा सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चाएं की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर महायुति में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप किया जा रहा है. विगत दिनों शिवसेना के संजय राउत ने कांग्रेस को धमकी भरे लहजे में कहा था कि उसे खुद को बड़ा भाई नहीं समजना चाहिए.

राज्य में एक-दूसरे की धुर विरोधी महायुति और महाविकास आघाड़ी के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर एक-दूसरे का इंतजार किया जा रहा है. इस इंतजार के चक्कर में गाड़ी न छूट जाए, ऐसी स्थिति बन रही है. आदर्श आचार संहिता मंगलवार 15 अक्टूबर से लागू हो गई। फिर भी अमरावती जिले में विधान सभा की आठ सीटों में से किसके हिस्से में कौन-कौनसी, कितनी सीटें आई हैं. यह फिलहाल महायुति और महाविकास आघाड़ी ने अधिकृत रूप से घोषित नहीं किया है. महायुति और महाविकास आघाड़ी एक-दूसरे के उम्मीदवारों की सूची का इंतजार कर रही है. इन दलों में इस बात का भी डर है कि उम्मीदवारी घोषित करने के बाद उनकी पार्टी में बगावत होकर पार्टी का ही नुकसान न हो जाए. वह अपने ही पार्टी के इच्छुकों पर भरोसा नहीं कर पा रही है. वैसे अपनी-अपनी पार्टी की ओर से हरी झंड़ी पा चुके प्रत्याशी प्रचार में जुट गए है. घोषित चुनाव कार्यक्रम पर नजर डाली जाए तो इस बार उम्मीदवारों को अपने प्रचार के लिए सिर्फ 15 दिनों का समय मिलने वाला है. ऐसे में सभी मतदाताओं तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण कार्य है. अधिकृत रूप से प्रचार की शुरुआत 5 नवंबर से होगी. 14 नवंबर को शाम 5.30 बजे के बाद प्रचार तोपें थम जाएंगी. अमरावती जिले के सभी आठ निर्वाचन क्षेत्रों में लगभग 3 लाख के आस-पास मतदाता हैं. क्या पंद्रह दिनों में उम्मीदवार इन मतदाताओं के डोर टू डोर पहुंच पाएंगे. अमरावती जिले की आठ विधानसभा सीटों से कई जगह बदलाव की संभावना है. मतदाताओं में इसको लेकर अत्याधिक चिंता है. कार्यकर्ता संभ्रम में हैं. वे किसके साथ रहें, यही नहीं समझ में आ रहा है. मतदाताओं का रूझान देखा जा रहा है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटसचे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन

राजपुरोहित स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता की विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान

घर का सपना आपका, पूरा करने में योगदान करते हैं हम

थोक की दर में निर्माण साहित्य का विश्वसनीय स्थान

पूज्य बाबूजी के आदर्श विचार

ज़ीवन में नाते-रिश्ते भी आजकल इस कदर स्वार्थी हो गए हैं कि करने वाले तथा ईमानदारी से काम करने वाले को हर जगह परेशान होने का एहसास होता है. आत्मीयता खत्म हो गई है और केवल उपयोग वाली प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है. आज दिली प्रेम, दूसरे का दर्द समझने की मानसिकता खो गई है. यही कारण है कि जो परिवार सुख, दुख बंटाने का साथी बनना चाहिए, वह अपने स्वार्थ में डूबा है. परिवार के हर सदस्य को जीवन तो शाही जीने की चाहत रहती है लेकिन मेहनत करने की मानसिकता नहीं होती है. इससे करने वाले सदैव तनाव में ही रहता है. एक समय वह टूट जाता है और फिर सभी की नजर में विलन बन जाता है. इससे बचें, करने वाले को प्रोत्साहित करने का प्रयास करें.

विदर्भ स्वाभिमान

❖ अमरावती, गुरूवार 3 से 9 अक्तूबर 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 15 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे. इस मानवीयता के नेक काम में आप विज्ञापन के माध्यम से हमें सहयोग देकर इस कड़ी को बढ़ाने का प्रयास करें.

पद, प्रतिष्ठा न कभी किसी के साथ हमेशा रही है न रहती है. लेकिन जिन लोगों ने पद और प्रतिष्ठा का उपयोग समाजहित में किया रहता है, वे बिना पद के भी सम्मानित रहते हैं. मरने के बाद भी नहीं मरने वाले लोगों में उनका नाम रहता है. इसलिए सदैव अच्छी सोचते हुए अच्छा करना चाहिए.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com